वसन्त कुंज में नागरिक सुख-सुविधाओं की व्यवस्था

1295. **श्री अश्विनी कुमार** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वसंत कुंज स्थित (मसूदपुर) में विभिन्न श्रेणियों के आवंटितियों को मकान का कब्जा तो 8–10 महीने पहले दे दिया गया है लेकिन वे वहां रह नहीं पा रहे हैं क्योंकि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा इन कालोनियों का पूर्णरूपेण विकास अभी तक नहीं किया गया है और इससे विकसित हो र एल.आई.जी. के मकान बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं ;

(ख) क्या सरकार इन आवंटितियों को ब्याज का भुगतान करने का विचार रखती है क्योंकि उनको मकान सौंपने से पहले उनमें पेय जल और अन्य कार्यों की व्यवस्था पूरी नहीं की गयी थी ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

शहरी विकास मंत्री (श्री मुरासोली मारन) : (क) मसूदपुर में फ्लैटों का कब्जा पिछले 8 महीनों से दिया जा रहा है । वसंत कुंज क्षेत्र में सभी विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं। तथापि मसूदपुर में निम्न आय वर्ग के मकानों के पाकेट में मुख्य लाइन (मेन) वितरण के जरिए जलापूर्ति नहीं की जा सकी और इसलिए वहां टैंकरों के जरिए जल पूर्ति के लिए अन्तरिम प्रबंध किए गए हैं । पानी की मुख्य लाइनें बिछाने का काम पहले से पूरा कर दिया गया है ।

(ख) और (ग) सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया की गई हैं तथा आवंटितियों को कोई ब्याज देने का प्रश्न नहीं उठता ।

नई रेल लाइनें बिछाने के लिए राज्य सरकारों से निधियां

1296. **श्री राम जेठमलानी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भविष्य में नई रेल लाइनें बिछाने के लिए सम्बन्धित राज्य सरकार से धन का कुछ भाग लेने का निर्णय किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि इस नीति से पिछड़े राज्य और अधिक पिछड़ जायेंगे ?

रेल मंत्री (श्री जार्ज फर्नान्डीज) : (क) ऐसा कोई सामान्य निर्णय नहीं लिया गया है । तथापि, महाराष्ट्र में मान खुर्द-बेलापुर परियोजना के मामले में, राज्य सरकार नगर औद्योगिक विकास निगम कोष के माध्यम से 67 प्रतिशत तक अंशदान कर रही है । नयी कोंकण रेल परियोजना के मामले में यह संभावना है कि सम्बद्ध चार राज्य सरकारें भी इसके लिए धन का अंशदान करेंगी।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी नहीं ।

वर्ष 2000 तक खाद्यान्नों का उत्पादन लक्ष्य

1297. **श्री राम जेठमलानी** :
सरदार अजीत सिंह अरोड़ा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्ष 2000 तक खाद्यान्नों के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसप्रकार निर्धारित लक्ष्य क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि विज्ञान सलाहकार परिषद की राय में खाद्यान्नों के लिए निर्धारित किया यह लक्ष्य उस समय देश की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपर्याप्त होगा ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की भावी योजना क्या है ?

उप-प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) और (ख) सन् 2000 ईसवी के लिए खाद्यान्न उत्पादन का कोई विशेष लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। वैसे, सातवीं पंचवर्षीय योजना में लगाए गए पूर्वानुमानों के अनुसार सन् 2000 ईसवी तक 235-240 मिलियन मीटरी टन खाद्यान्नों की आवश्यकता होने का अनुमान है। जब आठवीं पंचवर्षीय योजना को संशोधित किया जाएगा तब खाद्यान्न उत्पादन की यह अनुमानित मात्रा संशोधित हो सकती है।

(ग) विज्ञान सलाहकार परिषद ने बताया है कि इस शताब्दी के अंत तक खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य लगभग 250 मिलियन मीटरी टन प्रतिवर्ष हो सकता है।

(घ) इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली कार्यनीति में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल है :--

(1) गहन खेती के लिए उपयुक्त क्षेत्रों को अनुकूलतम बनाना।

(2) वर्षा के पूर्वानुमान लगाने में सुधार।

(3) बायोटैक्नोलांजी आनुवांशिक इंजीनियरिंग फोटोसिंथेसिस, टिशु कल्चर, जैविक कृमि नाशकों फौर औरोमोंस जैसे नए उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान कृषि उत्पादकता की वृद्धि में सहायता के लिए इनके उपयोग पर बल देना।

(4) बारानी खेती पर अनुसंधान को तेज करना और नई प्रौद्योगिकी को प्रयोगशाला से खेत तक अंतरित करना, अधिक ऋण सुलभ करना और बारानी खेती वाले क्षेत्रों में विपणन सुविधाओं का विकास करना।

(5) सिंचाई और कृषि विस्तार सेवा सुधार के संबंध में आधुनिक प्रबन्ध तकनीक आरम्भ करना तथा सहकारी आन्दोलन को मजबूत बनाना।

(6) उर्वरकों तथा अधिक उपज देने वाली बीजों की नई किस्मों का अधिक उपयोग और सिंचाई की सुविधाओं का विस्तार तथा आठवीं योजना एवं नौवीं योजना के दौरान अपनाई जाने वाली विस्तृत कार्यनीतियां संबंधित योजना दस्तावेजों में दी जाएगी।

खाद्यान्नों का आयात

1298. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले दो वर्षों के दौरान देश में खाद्यान्नों का भरपूर उत्पादन हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1987-88 तथा 1988-89 में गेहूं, चावल और मक्का का अलग-अलग कितना-कितना उत्पादन हुआ ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में खाद्यान्नों के भरपूर उत्पादन के बावजूद भी गत वर्ष अर्थात् 1988-89 में खाद्यान्नों का आयात किया गया ;

(घ) यदि हां, तो किस-किस देश से, किस-किस खाद्यान्न का कितनी-कितनी मात्रा में और कितने-कितने मूल्य पर आयात किया गया ; और

(ङ) ऐसे आयात किए जाने के क्या कारण थे ?